

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—सपलम्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकारित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 49]

नहें बिरुली, बृहस्पतियार, फरवरी 10, 1977/माघ 21, 1898

No. 49]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 10, 1977/MAGHA 21, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा आ सर्व । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 10th February 1977

- •• G. S. R. 72(E).—In exercise of the powers conferred by clause (1) of sub-section (6) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby prescribes the following conditions for the exculsion from the total income of an individual, not being a citizen of India, (hereinafter called "employee") of the moneys from the value of any free or concessional passage received by or due to him from his employer for himself, his spouse and children in connection with his proceeding on home leave out of India, namely
 - (1) In determining whether a particular passage of the spouse or a child has been taken in connection with the home leave of the employee the passage taken together with that of the employee, or those immediately preceding or following his own passage within a period of not more than 6 months either way, shall be taken into consideration.
 - (2) An employee shall be entitled to exemption under clause (a) of sub-section (6) of section 10 of the said Act, only if the concessions are availed of on the occasion of his proceeding on home leave out of India. He shall not be entitled to exemption in respect of any amount paid to him in consideration of his refraining from proceeding on home leave.

- (3) Mid-term passages granted to the employee's spouse and children imaddition to the home leave passage due to and actually availed of by the employee according to the conditions of his service as entered in the service agreement or the leave rules of the employer, shall not be eligible for exclusion.
- (4) Passage moneys reimbursed to the employee in respect of inward journeys undertaken by the children studying abroad and their journeys out of India, shall not be eligible for exclusion
- 2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1977.

[No. 1654/F. No. 457/1/75-FTD]

J. C. KALRA, Jt. Secy.

राजस्य ग्रीर बेकिंग विभाग

(राजस्य सम्ब

भधिस्**च**ना

श्राय-शर

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1977

सां का नि 72 (च) - - के द्वीय मरकार, ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (6) के खण्ड (i) द्वारा प्रदत्त गर्नतयों का प्रयोग करते ए, निम्नलिखित गर्नी विहित करती हैं जिन पर किसी व्यष्टि, जो भारत का नागरिक नहीं है, की कुल ग्राय में से ऐसा यात्रा व्यय धन या ऐसी नि मुन्न या रियायती यात्रा का मूल्य जो ऐसे व्यष्टि को भारत के बाहर श्रयने गृह के लिए छुट्टी पर जाने के मनश्र में ग्रयने, ग्रयनी पत्नी या श्रयने पति ग्रीर बन्नों के लिए ग्रयने नियोजक मे प्राप्त हो या उसके द्वारा देय हो, ग्रयनींजत किए जायोंने, ग्रयाँन :---

- (1) यह ग्रवधारण करने के लिए कि पत्नी या पित ग्रथवा बच्चों के लिए विभिष्ट यात्रा व्यय कर्मचारी के गृह के लिए छुड्टी के सम्बन्ध मे लिया गया है ग्रथवा नहीं, वे यात्रा व्यय जो कर्मचारी के साथ लिए गए हों, ग्रथवा जो उसके ग्रपने यात्रा व्यय के ठीक पूर्व या पश्चात् छह मास की ग्रवधि के भीतर लिए गए हों, छूट के लिए हिसाब में लिया जाएगा।
- (2) कर्मवारी जनत अधिनियम की धारा 10 की जनधारा (6) के खण्ड (क) के अधीन छूट का हकदार केवल तभी होगा जब रियायती यात्रा का मृत्य भारत के बाहर अपने गृह के लिए छुट्टी पर जाने के अवसर पर लिया जाए। वह ऐसी किसी रकम के सम्बन्ध मे छूट का हकदार नहीं होगा जो जसे अपने गृह के लिए छुट्टी पर जाने से इंकार करने के लिए संदत्त की गई हो।
- (3) कर्म चारी के पित या पत्नी को तथा बक्कों को गृह के लिए छुट्टी सम्बन्धी गोध्य तथा घस्तुत. उपयोग में लाए गए यात्रा व्यय के श्रितिस्ति, कर्मचारी की उन सेवा की णतीं के अनुसार जो सेवा के करार में सम्मिलित हों अथवा नियोजक के छुट्टी नियमों के अनुसार मंजूर किया गया मध्यावधि यात्रा व्यय अपर्वजित नहीं किया जाएगा ।

- (4) भारत के बाहर प्रध्ययन कर रहे बच्चों द्वारा भारत ग्राने के लिए की गई यात्राओं तथा भारत के बाहर की गई यात्राओं के संबंध में कर्मचा को प्रतिपूर्ति किए गए यात्रा व्यय धन को ग्रपबर्जित नहीं किया जाएगा।
- .2. वह प्रभिमुचना 1 प्रप्रैल, 1977 को प्रवृत्त होगी।

[स॰ 1654/फा॰ सं॰ 457/1/75-एफ टी की] जे॰ सी॰ कालरा, संयुक्त सचित्र।